अध्याय 19

छाया आ डोरक कहानी — कठपुतली

हम सभ गुड़िया, कार आ रॉकेटसँ खेललहुँ अछि, कथा आ पात्र बनौने छी, ठीक? हमसभ अपन छोट खिलौनाकेँ सङ्कटमे पड़ल ककरो बचा लेलहुँ वा चॉकलेट ड्रीमलैण्डमे साहसिक कार्य करब लेल बनौलऊ । कठपुतली ठीक इएह अछि!

कठपुतली प्रदर्शन बनेबाक लेल निर्जीव आकृति वा प्रस्तुतिक उपयोग करबाक कला थिक। कठपुतली वादक एहि आकृतिसभमे विभिन्न तकनीक जेना हाथक गति, डोर वा छड़क माध्यमसँ हेरफेर करैत छथि, जाहिसँ कथा कहल जा सकय, मनोरंजन कएल जा सकय वा दर्शकक सोझाँ संदेश पहुँचाओल जा सकय।

दृश्य : हाथक कठपुतली — अंगुरी, मोजा आओर दस्ताना

कठपुतली सभ आकार आ आकारमे अबैत अछि। कठपुतली केहन हेबाक चाही एहि बारेमे कोनो विशिष्ट नियम नहि अछि। ई अहाँक रचनात्मक कल्पना जकाँ अद्वितीय भऽ सकैत अछि। आउ हम सबसं सरल सं शुरू

अवधारणा प्रस्तुत कएल गेल

- हाथक कठपुतली
- छड़ी आओर छाया कठपुतली
- भारत मे कठपुतली
- ध्वनि मॉडुलन

0680CH19

करू- अहाँ के हाथ! जे पात्र अहाँ बनाबए चाहैत छी ओकर सरल चेहरा बनाउ (अपन परिवार या मित्र सँ) आओर ओकरा गप्प करब!

वैकल्पिक रूपसँ, अहाँ अपन खींच सकैत छी एकटा कागज पर हाथ दियौ आ अक्षर बनाउ।

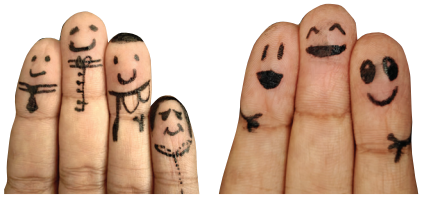

आब हम एकटा कदम आगाँ जाउ आओर सरल बनाबू

अङ्गुरी के कठपुतली

कैंची आ गोंदक सङ्ग एकटा साधारण कप बनेबाक लेल कागजक प्रयोग करू

Simple finger puppets

© NCERT not to be republished

, एकरा अपन अङ्गुरी पर पहिरू, अलग-अलग चेहरा, हाथ आ टाङ्ग खींचू। आब अहाँ एहि पात्रसभके एकटा नाम दऽ सकैत छी आ अपन एकटा कहानी बना सकैत छी!

चूँकि कठपुतली केना बनायबाक अछि एकर कोनो सीमा या नियम नहि अछि, तें अपन कठपुतलीके जीवंत करबाक लेल अलग-अलग तरीकासँ प्रयास करू!

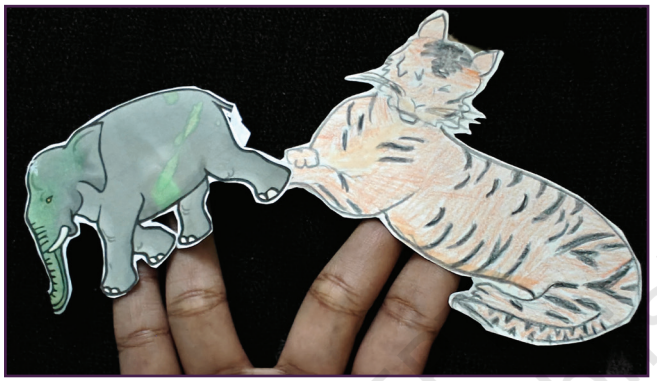

पशु संप्रतीक

विशेष संप्रतीक

पुराण आ इतिहास सँ अक्षर

अपना अङ्गुरी के टाङ्ग के रूप मे प्रयोग करू

मोजा वला आ दस्ताना कठपुतली

कठपुतली बनयबाक एकटा आओर तरीका जे अहाँक कल्पनामे बेसी चरित्र जोड़ैत अछि - मोजा या दस्तानाक कठपुतली।

अपन एकटा साधारण मोजा कठपुतली बनेबाक लेल एतय चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका देल गेल अछि।

एकरा नाम दिअ आ अपन वार्तालाप बनाउ!

जे मोजा अहाँ के घर पर अछि से लिय।

जा धरि ई दृढ़ नहि भए जाए एकरा अपना हाथ पर पहिरू।

चारि अङ्गुरी आ अलग-अलग अङ्गूठा के चारु कात एकटा लोचदार या रबरबैंड राखु।

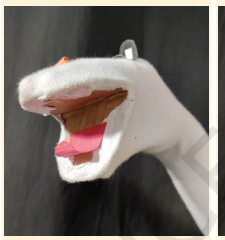

वैकल्पिक रूपसँ, अहाँ काटि सकैत छी, आ मुँह क्षेत्र आ गत्ता चिपका सकैत छी।

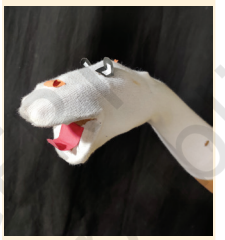

आँखि, जीभ, केश, नाक आ अन्य विशेषता जतेक चाही से मिलाउ।

गतिविधि

दुइ संप्रतीक बनाउ। अपन कल्पनाक प्रयोग करू। ई लोक, जानवर भए सकैत अछि या काल्पनिक पात्र जेना एलियन्स। अहाँ बाघ आ भूत, वा बूढ़ आदमी आ कुकुर सन संयोजन सेहो बना सकैत छी।

विशेषतासभ सूचीबद्ध करू। एकटा नाम आ भावना दिअ - की ओ मजाकिया, क्रोधित या दुखी अछि ?, गप्प करबाक एकटा शैली नियत करू।

एकटा साधारण वार्तालाप लिखू। स्क्रिप्ट क' तीन भाग याद राखैत अछि? सुनिश्चित करू जे अहाँक स्थिति आ सङ्घर्ष अछि जतय ई दुनू पात्र गप्प करैत अछि।

शो टाइम

एहि शो के अपन कक्षा मे या अपन परिवार के समक्ष

दस्ताना कठपुतली वार्तालाप

अङ्गुरी कठपुतली वार्तालाप

मोजा वला कठपुतली वार्तालाप

© NCERT not to be republished

प्रस्तुत करू। आब अहाँ कठपुतली छी!

भारतमे हाथक कठपुतली

1. साखी कुन्देई आ साखी नाच— ओडिशा	2. पावकत्थकली पावक्कूथु — केरल	3. पुतुल सँ — बङ्गाल	
• पेपियर माचे, लकड़ी या कपड़ासँ बनल आ उज्ज्वल, हँसमुख चेहरा होइत अछि। • हुनका लोकनिकेँ नृत्य आ गायब नीक लगैत अछि, आ हुनक कथा प्रायः हास्य आ आनन्दसँ भरल रहैत अछि। • ई सभ ओडिशामे पाबनि आ उत्सवक एकटा लोकप्रिय हिस्सा अछि। 	• रङ्गीन आ नाटकीय नृत्य रूप सँ प्रेरित कत्थकली। • लकड़ीसँ बनल आ जटिल वेशभूषा आ गहनासँ सजाओल गेल। • ओ जे खिस्सा कहैत छथि ओ प्रायः एहि पर आधारित होइत अछि रामायण आ ई महाभारत। 	• माटिसँ बनल आ कथा कथनक एकटा अद्वितीय शैली अछि। • ओ अक्सर कहानी कहैत छथि कृष्ण आ राधाक बारेमे, आ वर्तमान घटना सेहो • ओ सभ ताल पर ताली बजबैत छथि आ एक दोसरकेँ माला पहिरा सकैत छथि। हुनका खेलए मे बहुत मजा अबैत अछि। 	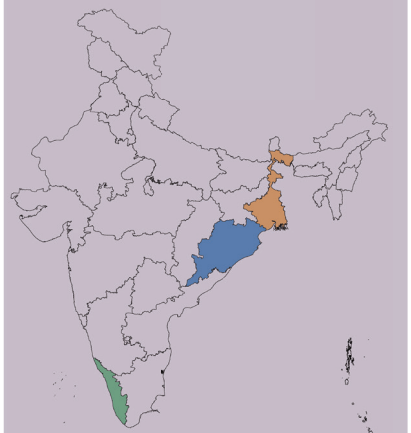

© NCERT not to be republished

कठपुतली ट्रिविया

- भारतमे तीन हजार सालसँ बेसी समय धरि कथा सुनयबाक लेल कठपुतलीक उपयोग कएल जाइत छल। एकरा द्वारा एकटा रोचक कहानी अछि ऋषि व्यास मे *भागवत पुराण।* एहिमे लकड़ीक कठपुतलीकेँ डोरीसँ नियन्त्रित करबाक बात कहल गेल अछि।
- किसान सभ पूरा दिनि काज कएलाक बाद कठपुतली कार्यक्रम प्रस्तुत कऽ आ देखि आराम करैत छथि।

जखन अहाँ अपन अगिला कठपुतली प्रदर्शनक लेल नब विचारक बारे मे सोचि रहल छी तखन आउ हम कठपुतली सँ जुड़ल अपन देशक विभिन्न राज्यक अन्वेषण करू।

दृश्य 6: छड़ी आ छाया कठपुतली

ई कठपुतलीक एकटा रूप अछि जकरा लेल किछु बुनियादी सेटअपक आवश्यकता होइत छैक। एकरा अहाँ द्वारा त क्लास मे या घर पर कएल जाए सकैत अछि। अहाँकेँ किछु बुनियादी सामग्रीक आवश्यकता होयत जे अहाँ अपन आसपास पाबि सकैत छी।

कक्षाकेँ पाँचसँ छओ बच्चाक टीममे बाँटल जेबाक अछि। प्रत्येक टीम एकटा अवधारणा या कहानी तय करत, जकरा ओ सुनाबय चाहैत छथि। प्रत्येक समूह एकटा साधारण स्क्रिप्ट बनाओत जाहिमे तीन सँ चारि अक्षर होएत। तखन टीम कठपुतली बनेबाक लेल मिलिकऽ काज करैत अछि।

कठपुतली चिपकाउ

छड़ीक कठपुतली बनेनाइ सबसँ आसान अछि आ बच्चासभकेँ बहुत मजा सेहो देत।

- अपन कथाक सभटा पात्रक चित्र बनाउ आ रङ्ग दियौ आ ओकरा आकारमे काटु।
- कम सँ कम छह इञ्च या ओहिसँ पैघ लाठी ताकू। ई गाछक टहनी, आइसक्रीमक छड़ी या एतय धरि कि गत्ताक पट्टी सेहो भऽ सकैत अछि जे कठोर होयत अछि।
- जे पात्र अहाँ

खीञ्चने छी ओकर चित्रकेँ छड़ीक एक छोर पर एहि तरहेँ साटू जे अहाँ एकटा छोर पकड़ैत छी आ कठपुतली दोसर छोर पर अछि (चित्र देखू) ।अहाँक छड़ी कठपुतली तैयार अछि!

© NCERT not to be republished

कठपुतली शो फ्रेम

एकटा साधारण आयतमे एकटा कार्डबोर्ड काटु, जे एतेक पैघ अछि जे अहाँक बनाएल सभटा अक्षरमे फिट भऽ सकैत अछि।

वैकल्पिक: अहाँ फ्रेमकेँ सजाए सकैत छी अहाँक स्क्रिप्टक अनुसार उपयुक्त चित्रक सङ्ग।

अहाँ जङ्गल अथवा गली आदिक उपयुक्त पृष्ठभूमि चित्र सेहो जोड़ि सकैत छी।

अहाँ शो के लेल तैयार छी!

टीमक प्रत्येक सदस्य एकटा चरित्र लैत अछि आ टीम कठपुतली प्रदर्शनक अभिनय करैत अछि।

आब जखन अहाँक लग स्टिक कठपुतली शो तैयार अछि, छाया कठपुतली मात्र एक डेग दूर अछि।

छाया कठपुतली

अहाँ कार्डबोर्डक फ्रेम पर एकटा उज्जर कपड़ा जोड़ि सकैत छी आ प्रकाशक नुकीला एकल स्रोतक उपयोग मशाल जकाँ कऽ सकैत छी। छाया कठपुतली के लेल ध्यान रखबाक लेल किछु बिन्दु —

- सुनिश्चित करू जे प्रकाश नहि अछि, छाया के तीक्ष्णता जतेक पसरैत अछि एहि पर निर्भर करैत अछि। प्रकाशकेँ स्थिर सतह पर रखबाक चाही, जाहिसँ ई नहि हिलैत अछि।
- चरित्रक रूपरेखा सबसँ महत्वपूर्ण अछि किएक तँ रङ्ग, मुँहक विशेषता आदि छायामे नहि देखाइत अछि। रूपरेखा अहाँक दर्शककेँ चरित्र बताबयमे सक्षम होयबाक चाही।

जहिना अहाँ छाया कठपुतलीक माध्यमसँ कथा रचना कऽ अपन तरहक काज करबाक प्रयास करैत छी, तखन हमसभ पता करब जे एकटा देशक रूपमे, छाया कठपुतलीक कलामे हमसभ कतेक प्रगति कयने छी।

© NCERT not to be republished

भारतमे स्टिक आ छाया कठपुतली

भारतमे छाया कठपुतली 2000 सालसँ बेसी समयसँ अस्तित्वमे अछि। राम आ कृष्णक कथा सबसँ लोकप्रिय रहल अछि। निम्नलिखित चित्रसभमे, विवरणक स्तर आ प्रत्येक कठपुतलीक जटिल डिजाइनक अवलोकन करू।

हमर कारीगर सभ एतेक प्रतिभाशाली छलाह!

1. चमड़ाक कठपुतली आन्ध्र प्रदेश आ तेलङ्गाना सँ	2. कठपुतली कर्नाटक सँ	3. रावण छाया ओडिशा सँ	
• जटिल चमड़ाक कठपुतली, सावधानीपूर्वक काटु आ पेण्ट करू। • ई कठपुतली वास्तव मे बहुत नीक जकाँ नाच सकैत अछि। • कठपुतलीक एहि शैलीमे हनुमानक कथा बहुत मनोरंजक अछि। 	• ओ चमड़ा सँ बनल अछि। आ रङ्गक प्रयोग करू। • प्रोफाइल आ फ्रण्ट व्यू के आँखि एक सङ्ग राखू। • कठपुतली कलाकार पात्रसभकेँ जीवन्त करबाक लेल गबैत अछि आ ध्वनि प्रभाव बनबैत अछि, जाहिसँ कथासभ आ रोमाञ्चक भऽ जाइत अछि। 	• एहि शैलीमे कारी आ उज्जर कठपुतलीकेँ सुन्दर रूपसँ डिजाइन कएल गेल अछि। • कठपुतली एकर कहानी फेर सँ कहैत अछि रामायण। • रावणक कठपुतली सामान्यतः शेष कठपुतलीसँ 1 फीट पैघ होइत अछि। 	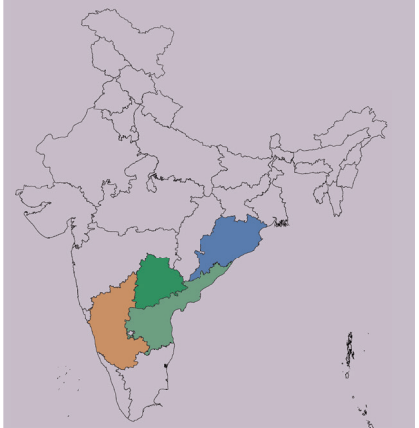

© NCERT not to be republished

गतिविधि — अपन कठपुतली प्रदर्शन करू!

कठपुतली — तैयार ✅

फ्रेम — तैयार ✅

पृष्ठभूमि — तैयार ✅

स्क्रिप्ट — तैयार ✅

मुदा संवाद के देत? की कठपुतली गप्प करैत अछि? नइ! की अहाँ बात कए सकैत छी? हँ! मुदा ओ अहाँ जकाँ लगत... अहाँ अपन चरित्र के केना आवाज लगैब?

उत्तर: आवाज मॉडुलेशन

कठपुतलीमे आवाज मॉडुलेशन अहाँक कठपुतलीकेँ ओकर भावना वा ओ कहि रहल कथासँ मेल खाबय लेल अलग-अलग आवाज दऽ रहल अछि। तेँ जखन अहाँक कठपुतली खुश होइत अछि तखन अहाँ अपन आवाजकेँ हँसमुख आ हिग बना सकैत छी- पीखुजली। जँ ई कोनो डरावना कथा कहि रहल अछि तँ अहाँ अपन आवाजकेँ नीचा कऽ सकैत छी जाहिसँ एकरा रहस्यमय बनाओल जा सकय जेना अहाँ अलग-अलग पात्रक नाटक करैत छी तखन अहाँ अलग-अलग आवाजसँ केना खेलैत छी। कार्यक्रमकेँ बेसी रोमाञ्चक आ मजेदार बनेबाक लेल अहाँ अपन कठपुतलीक सङ्ग सेहो एहने कऽ सकैत छी!

ई बहुत महत्वपूर्ण अछि जखन अहाँ स्वयं दूटा पात्र निभा रहल छी। तँ दुनू पात्रक लेल एके आवाज सुनब उबाऊ नहि भ जाएत, जे अहाँक नियमित आवाज जकाँ जेहन लागय? तेँ दुनू पात्रकेँ एक दोसरसँ आ अहाँक अपन आवाजसँ भिन्न लगबाक चाही।

ई कोनो तरहक कठपुतलीक लेल सत्य अछि, चाहे अहाँ मोजा वला कठपुतली, छड़ी कठपुतली या छाया कठपुतली करैत छी। अहाँ के अपन आवाज पर काज करए पड़त। मोन राखू, ई ओहि चरित्रक अनुरूप होयबाक चाही जकर कठपुतली प्रतिनिधित्व कऽ रहल अछि!

उदाहरण — एकटा बूढ़ आदमी के आवाज ऊँच स्वर मे नहि भऽ सकैत अछि!

कठपुतली प्रदर्शनक लेल अपन स्क्रिप्टक पंक्तिक अभ्यास अहाँ द्वारा बनाओल कठपुतलीक सङ्ग करैत रहू। आब अहाँ कठपुतली प्रदर्शन करबाक लेल तैयार छी। अपन श्रोता प्राप्त करू... तैयार... जाउ!

© NCERT not to be republished

कठपुतली ट्रिविया

- कृष्णदेवराय आ विक्रमादित्य सन भारतीय राजा कठपुतलीक एतेक शौकीन छलाह जे एहि अद्भुत कार्यक्रमक लेल हुनकालोकनिक अपन विशेष थिएटर छल।
- कठपुतली कला छात्रसभमे लैङ्गिक संवेदनशीलताक सङ्ग-सङ्ग सुरक्षित आ असुरक्षित स्पर्श पर जागरूकता जेहन मूल्यक प्रति जागरूकता पैदा करबाक एकटा प्रभावी तरीका भऽ सकैत अछि।
- आइ भारतीय कठपुतली नाटक एकरा आ रोमाञ्चक बनयबाक लेल नव तकनीक आ प्रौद्योगिकी आनि परम्पराकेँ जीवित रखैत अछि।

निम्नलिखित लेल एकटा आवाज ताकू आ ओहि आवाजमे नीच्चाँ देल पंक्तिसभ कहू:

"की अहाँ अपन लञ्च लेलहुँ?		"हम पार्क मे खेलए चाहैत छी!	
"नमस्कार! की अहाँ हमरा सङ्ग दौड़ मे जाए चाहैत छी?		"की अहाँ हमरा सङ्ग खेलए चाहैत छी?	

© NCERT not to be republished